



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 214]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 17, 2017/श्रावण 26, 1939

No. 214]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 17, 2017/ SRAVANA 26, 1939

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जून, 2017

विषय: भीम आधार दुकानदार प्रोत्साहन योजना।

सं.12(84)/2017- डी पी डी.—1. पृष्ठभूमि और उद्देश्य

- 1.1 डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत नागरिकों को डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल प्रशासन और डिजिटल सेवा उपलब्ध करा कर भारत को डिजिटली रूप से एक सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने की परिकल्पना की गई है। डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र का संवर्धन डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का एक सहज विस्तार है और इसमें वित्तीय लेनदेनों को औपचारिक बनाकर भारत की अर्थव्यवस्था को बदलने की क्षमता मौजूद है। वित्तीय समावेशन भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में एक है। डिजिटल भुगतान में ई-वाणिज्य से औपचारिक वित्तीय सेवाओं का अभिगम और लाभ विशेषकर उन लोगों को प्रदान करने की क्षमता मौजूद है, जिन्हें लगातार मुख्य धारा से बाहर रखा गया है।
- 1.2 वित्त मंत्री ने 1 फरवरी, 2017 को अपने बजट भाषण में "यूपीआई, यूएसएसडी, आधार पे, आईएमपीएस और डेबिट कार्डों के माध्यम से वर्ष 2017-18 के लिए 2500 करोड़ डिजिटल लेनदेन का लक्ष्य" घोषित किया था।
- 1.3 डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में दुकानदार विशेष रूप से भारत जैसे देश, जहां लगभग 90% दुकानदार असंगठित जैसे छोटे किराना स्टोर, स्थानीय कपड़ों की दुकानें, मोम-एन-पोप स्टोर और अन्य दुकानदार एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। इनके अलावा, स्थानीय वेंडर, ऑटो/टैक्सी ड्राइवर आदि जैसे दुकानदारों की असंगठित व्यापार में बड़ी हिस्सेदारी है। उनके ग्राहकों के पास प्रायः डिजिटल भुगतान के आधुनिक साधन जैसे डेबिट कार्ड, स्मार्ट फोन आदि का अभाव होता है।

- 1.4 इस समस्या का समाधान नवाचारी भीम आधार भुगतान तंत्र द्वारा किया जा सकता है जिसके लिए नागरिकों को अपने संबद्ध बैंक खाते से लेनदेन करने के लिए केवल अपना आधार (बायोमेट्रिक्स) उपलब्ध कराना आवश्यक है। दुकानदारों के बीच भीम आधार को बढ़ावा देने के लिए यह दुकानदार प्रोत्साहन योजना शुरू की जा रही है।
- 1.5 इस योजना का उद्देश्य दुकानदारों द्वारा भीम आधार को महज़ एक बार अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना नहीं है, बल्कि सभी नागरिकों के लिए लेनदेन की सहूलियत बढ़ाना भी है क्योंकि इसमें डिजिटल लेनदेनों के लिए आधार का इस्तेमाल एक साधन के रूप में किया जाता है।
- इस योजना का उद्देश्य दोहरा है, अर्थात् :
- भीम आधार पर पंजीकृत दुकानदारों की संख्या में वृद्धि;
  - भीम आधार का इस्तेमाल कर दुकानदारों द्वारा भुगतान/लेनदेन की संख्या में वृद्धि

## 2. भीम आधार दुकानदार प्रोत्साहन योजना

- 2.1 योजना का कार्यक्षेत्र अन्यथा संशोधित न किए जाने तक केवल भीम आधार का इस्तेमाल करने वाले दुकानदारों तक ही सीमित होगा। योजना की अवधि योजना की शुरुआत की तारीख से 6 महीने है और सरकार के निर्देशों के आधार पर इसका नवीनीकरण किया जा सकता है।
- 2.2 नाबार्ड कार्यान्वयन एजेंसी की भूमिका अदा करेगा क्योंकि दुकानदार प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रोत्साहन के लिए आवश्यक निधियां वित्तीय समावेशन निधि (एफआईएफ) से आहरित की जाएंगी। एफआईएफ का रखरखाव और प्रबंधन नाबार्ड द्वारा किया जाता है।
- 2.3 भीम आधार दुकानदार प्रोत्साहन योजना की रूपरेखा निम्नानुसार तैयार किए जाने की मांग है:
- आधार अधिप्रमाणन उपकरण विशेष पर आधारित हो और कोई भी उपकरण अर्थात् माइक्रो एटीएम/पीओएस, एमपीओएस, कियोस्क/टैबलेट/मोबाइल हैंडसेट आदि को इसमें शामिल किया जाए बशर्ते कि लेनदेन किसी दुकानदार स्थापना द्वारा माल और सेवाओं की बिक्री के लिए किया जाता है और भुगतान आधार संख्या एवं बायोमीट्रिक अधिप्रमाणन द्वारा किया जाता है। परंतु, माइक्रो एटीएम के जरिए नियमित व्यापार संवाददाता (वीसी) लेनदेनों को इस योजना में शामिल नहीं किया जाएगा।
  - प्रत्येक भीम आधार लेनदेन के लिए दुकानदारों को 1 रुपए का न्यूनतम प्रोत्साहन और प्रोत्साहन पर 10/- रुपए प्रति लेनदेन की ऊपरी सीमा के साथ 2000/- रुपए तक के लेनदेन मूल्य पर 0.5% की दर से प्रोत्साहन दिया जा सकता है। अधिकतम प्रोत्साहन प्रति दुकानदान प्रतिमाह 2000/- रुपए (बैंकिंग/प्रचालन लागतों को छोड़कर) तक सीमित है।
  - 0.5% के प्रोत्साहन का सदुपयोग दुकानदार के प्राप्तकर्ता बैंक को 0.25% तक का भुगतान कर प्रचालन लागत को कम करने के लिए किया जा सकता है और बकाया 0.25% दुकानदार को अतिरिक्त प्रोत्साहन के रूप में चला जाएगा।
  - बैंकों को प्रोत्साहन प्रचालन लागत के रूप में 0.25% प्रोत्साहन में से 0.20% का भुगतान दुकानदार के प्राप्तकर्ता बैंक को किया जाएगा और बकाया 0.05% का भुगतान दुकानदार के प्राप्तकर्ता बैंक द्वारा जारीकर्ता बैंक को दी गई प्रचालन लागत के रूप में किया जाएगा।
- 2.4 भीम आधार पर सक्रिय प्रत्येक बैंक अपनी-अपनी प्रतिपूर्ति के लिए प्रोत्साहन के संगत दावे नाबार्ड को प्रस्तुत करेगा।
- 2.5 बैंक नाबार्ड से अपनी संगत निधियां प्राप्त करने पर आकस्मिकता में प्रोत्साहन के भुगतान को नहीं रोकेंगे। दुकानदारों को प्रोत्साहन की राशि का तत्काल (लेनदेन करने की तारीख से 2 दिन बाद नहीं) भुगतान किया जाएगा जबकि बैंक आपसी सहमति से निर्धारित अंतराल के अनुसार नाबार्ड से प्रतिपूर्ति का दावा कर सकते हैं।
- 2.6 योजना डिजाइन में निकायों की विभिन्न परिभाषाएं अनुबंध-1 में दी गई हैं।
- ## 3. दुकानदार के लिए पात्रता मानदंड
- 3.1 प्रोत्साहन की अर्हता हेतु भीम आधार दुकानदारों के लिए परिभाषित लेनदेन मानदंड :
- क. दुकानदार प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिए केवल भीम आधार पर ही किए गए सभी लेनदेन पात्र हैं
- ख. प्रोत्साहन कार्यक्रम के अंतर्गत पात्र अधिकतम लेनदेन मूल्य 2000/- रुपए है।

## 3.2 अन्य मानदंड :

- i. दुकानदार को भीम आधार का प्रयोक्ता होना चाहिए और उसे भीम आधार के साथ एकीकृत किसी वैध तरीके से क्रेडिट भुगतान प्राप्त करना चाहिए।
- ii. भीम आधार दुकानदार प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य दुकानदार के प्राप्तकर्ता बैंक और दुकानदार की प्रचालन लागत को कम करना है। किसी भी सूरत में दोनों निकायों में से प्रत्येक निकाय 0.25% (प्रत्येक लेनदेन के लिए वितरित कुल 0.5% में से) से अधिक प्रोत्साहन साझा नहीं कर सकते हैं।
- iii. भीम आधार प्रोत्साहन दुकानदार के प्राप्तकर्ता बैंक द्वारा दुकानदार को वित्तीय लेनदेन की तारीख से 2 कार्यदिवस के भीतर भेजा जाएगा।

राजीव बंसल, संयुक्त सचिव

## अनुबंध-1

**भीम आधार दुकानदार प्रोत्साहन योजना के लिए शब्दों/निकायों की परिभाषाएं**  
अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किए अनुसार प्रमुख शब्दों/निकायों की परिभाषाएं निम्नानुसार हैं:

- क. “वैध वित्तीय लेनदेन”: 2000/- रुपए से कम राशि का लेनदेन
- ख. “दुकानदार का प्राप्तकर्ता बैंक” – ऐसा बैंक, जिसने दुकानदार के यहां भीम आधार उपकरण लगाया है
- ग. “भीम आधार दुकानदार”: उसे एक भीम आधार प्रयोक्ता होना चाहिए। भीम आधार के लिए प्रोत्साहन योजना के प्रयोजनों से एक दुकानदार (और तदनुसार प्रोत्साहन प्राप्तकर्ता) को निम्नानुसार परिभाषित किया जाएगा:
  - ऐसा कोई निकाय जो माल और सेवाओं के व्यापार में लगा है। दुकानदार को संगत बैंकों द्वारा भीम आधार प्लेटफार्म पर सक्षम बनाया जाना चाहिए
  - प्रोत्साहन प्राप्त करने की अर्हता के लिए प्रत्येक दुकानदार के यहां किए गए सफल वित्तीय लेनदेनों की संख्या लेनदेन मानदंड है
  - प्रोत्साहनों की गणना लेनदेन मानदंड की आधार पर की जाएगी।

## MINISTRY OF ELECTRONICS AND INFORMATION TECHNOLOGY

## NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd June, 2017

**Subject: BHIM Aadhaar Merchant incentive Scheme****No. 12(84)/2017-DPD.—1. Background and Objective**

- 1.1 The Digital India Programme envisions transforming India into a Digitally empowered society and knowledge economy by making available digital infrastructure, digital governance and digital services to every citizen. Promotion of a digital payments ecosystem is a natural extension of the Digital India programme and has the potential to transform India's economy by formalization of financial transactions. Financial inclusion is one of the foremost challenges for India Digital payments have the potential to provide access to formal financial services and benefits from e-commerce, especially for those who continue to be excluded.
- 1.2 Finance Minister in his Budget Speech on February 1, 2017 had announced “a target of 2,500 crore digital transaction for 2017-18 through UPI, USSD, Aadhaar Pay, IMPS and debit cards.”
- 1.3 In the digital payments ecosystem, merchants play a very crucial role especially in country like India where nearly 90% of merchants are unorganized like small grocery stores, local apparels outlets, mom-n-pop stores and more. Apart from these, the merchants like local vendors, auto/taxi drivers etc., constitute of large share of unorganized merchants. Their customers often lack sophisticated digital payments means like debit cards, smart phones etc.

- 1.4 This issue can be addressed by the mechanism of the innovative BHIM Aadhaar payment mode which requires citizens to only provide their Aadhaar (biometrics) to transact from their linked Bank account. To promote BHIM Aadhaar amongst merchants, this Merchant Incentive Scheme is being launched.
- 1.5 The scheme aims to incentivize not just one-time adoption of BHIM Aadhaar by merchants, but should also increase the ease of transactions for all citizens as it uses the means of Aadhaar for digital transactions. The objectives of the scheme are twofold, viz.:
- Increase in number of merchants registered on BHIM Aadhaar
  - Increase in number of merchant payment transactions using BHIM Aadhaar
2. **BHIM Aadhaar Merchants incentive scheme**
- 2.1 The scope of the scheme shall be limited to merchants using BHIM Aadhaar unless revised otherwise. The scheme duration is stipulated as 6 months from the launch date of the scheme, and can be renewed based on government directions.
- 2.2 NABARD will play the role of implementing agency since the Merchant Incentive Scheme will draw the funds required for the incentive from the Financial Inclusion Fund (FIF). The FIF is maintained and managed by NABARD.
- 2.3 The BHIM Aadhaar Merchant Incentive Scheme is sought to be structured as follows:
- AADHAAR Authentication be device agnostic and any device viz., MicroATM/POS, mPOS, Kiosk / Tablet / Mobile Handset etc be covered provided that the transaction is for sale of goods & services by a merchant establishment and payment is by Aadhaar Number & Biometric authentication. However, regular Business Correspondent (BC) transactions through microATM will not be covered under the scheme.
  - Each BHIM Aadhaar transaction may be given an incentive @ 0.5% of the transaction value up to Rs. 2000 with minimum incentive of Rs. 1 and upper cap on incentive to merchants of Rs. 10/- per transaction . Maximum incentive is restricted to Rs. 2000/- per merchant per month, (excluding banking/operating costs).
  - The incentive of 0.5% can be utilized to defray operating costs for the merchant acquiring bank to the extent of 0.25% only and the balance 0.25% has to be passed on as an additional incentive to the merchant
  - Out of the incentive of 0.25% towards operating costs to banks, 0.20% will be paid to Merchant Acquiring Bank and balance 0.05% towards the Issuing Bank operating costs to be incurred by the Merchant Acquiring Bank.
- 2.4 Each Bank live on BHIM Aadhaar will required to submit their respective claims towards the incentive to NABARD for being reimbursed against the same.
- 2.5 The Banks will not hold the payment of incentive contingent to their receiving funds from NABARD. The merchants will be paid the incentive amounts upfront (not later than 2 days from the occurrence of the transactions) whereas banks may claim the re-imbursements from NABARD as per a mutually agreeable frequency.
- 2.6 The various definitions for the entities in the scheme design are appended in **Annexure 1**
3. **Eligibility Criteria for Merchant**
- 3.1 Defined Transaction Criteria for BHIM Aadhaar Merchants to qualify for incentive:
- a. All transactions executed only on BHIM Aadhaar are eligible for receiving the merchant incentive.
  - b. The maximum transaction value eligible under the incentive programme is Rs. 2000.
- 3.2 Other Criteria:
- i. Merchant should be BHIM Aadhaar user and receive credit payments from any valid payment mode integrated with BHIM Aadhaar.
  - ii. BHIM Aadhaar Merchant incentive scheme is meant to defray the operational costs of the merchant acquiring bank and merchant. In no case can each of these entities share incentive more than 0.25% (from the total 0.5% distributed for each transaction).
  - iii. BHIM Aadhaar incentive has to be passed on to the merchant by the merchant acquiring bank not later than 2 working days from the occurrence of the financial transaction.

RAJIV BANSAL, Jt. Secy.

**Annexure 1****Definitions of terms/entities for the BHIM Aadhaar Merchant incentive**

The definitions of key terms/entities as specified in the notification are as below:

- a. “Valid financial transactions”: Transaction amount less than Rs. 2,000
- b. “Merchant acquiring bank” – Bank which has enabled and deployed the BHIM Aadhaar device at the merchant location
- c. “BHIM Aadhaar Merchant”: Has to be a BHIM Aadhaar user. For the purposes of the Incentive Scheme for BHIM Aadhaar a merchant (and accordingly the incentive receipt) would be defined as:
  - Any entity which is engaged in trading of goods and services. The merchant has to be made enabled on the BHIM Aadhaar platform by respective banks
  - The transaction criteria to qualify to receive incentive is the number of successful financial transactions executed at each merchant location
  - The computation for the incentives shall be done basis the transaction criteria.